

# नवोदय (Navodaya)

दिनांक (Dated): 03.01.2025

पृष्ठ सं० (Page No). 04

क्रम सं० (Serial No.) 10

## CISF जवानों की आत्महत्या में आई 40 फीसदी की कमी

■ शारीरिक व मानसिक तौर पर जवान बन रहे मजबूत



नई दिल्ली, 2 जनवरी (नवोदय टाइम्स): केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति में अप्रत्याशित रूप से 40 फीसदी कमी दर्ज की गई है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने बताया कि जवानों को शारीरिक और मानसिक दोनों स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। खेलकूद, योग के अलावा चौबीस घंटे चिकित्सा परामर्श हेल्पलाइन का आरंभ किया गया है। जवानों के मन में उठने वाले प्रश्नों के सवालों एवं उनके समाधान के लिए अधिकारी निरंतर उनके संपर्क में रहते हैं।

सीआईएसएफ के डीआईजी दीपक वर्मा ने बताया कि आत्महत्या प्रवृत्ति एक गंभीर चिंता का विषय है। एम्स एवं कई अन्य संस्थानों के शोध में सामने आया है कि तनाव, लंबे समय तक परिवार से दूरी और व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा कार्य से संबंधित दबाव अक्सर इस जटिल समस्या को बढ़ाते हैं। सीआईएसएफ की तरफ से इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें कमांडिंग अधिकारी द्वारा नियमित रूप से अपने जवानों को जानें और सुनें कार्यक्रम चलाकर उनसे सीधा जुड़ाव स्थापित किया जा रहा है।

दैनिक ब्रीफिंग-डीब्रीफिंग होती है। सीआईएसएफ के योग में प्रशिक्षित 650 कार्मिकों के माध्यम से प्रत्येक यूनिट में कम से कम एक प्रशिक्षक द्वारा योग की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जाती हैं। प्रत्येक यूनिट में जवानों और अधिकारियों के लिए एक घंटे का खेल सत्र आयोजित किया जाता है। इसके अलावा एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली लागू की गई है, जिसमें सभी स्तरों पर शिकायतों की समय पर निगरानी तथा समाधान सुनिश्चित करना शामिल है।

### आत्महत्या के प्रमुख कारण

- एकल परिवारों के कारण खराब भावनात्मक समर्थन
  - वैवाहिक असहमति और मामले
  - स्मार्ट फोन के उपयोग के कारण अप्रिय सूचनाओं का तेजी से प्रसारण
  - परिवार से अधिक अपेक्षाएं
  - वित्तीय चिंता
  - कैसर, त्वचा रोग और एचआईवी सहित गंभीर बीमारियां
  - एकांत और साझा करने और बाहर निकलने में असमर्थता
- (एम्स के अध्ययन के अनुसार)